## ● सुनो, समझो और सुनाओ :

# ९. एक सैर ऐसी भी

इस संवाद में लेखक ने बड़ों के आदेश, नियमों के पालन, अनुशासन एवं देशप्रेम की भावना को बढ़ावा दिया है ।

### स्वयं अध्ययन

स्थान, समय, दिन, दिनांक, शुल्क आदि से संबंधित अपनी शालेय सैर का सूचना पत्र बनाओ ।

**(क्रिसमस का अवकाश था । जॉन, अच्युत, अर्चना, विप्लव, प्राची, तबस्सुम, इब्राहिम सभी लावण्या के घर इकट्ठा होकर आपस में बातचीत कर रहे हैं ।)**

**जॉन** : मित्रो! छुट्टियाँ चल रही हैं । विद्यालय में 'अपनी सैर' पर दस से पंद्रह वाक्य लिखने के लिए कहा गया है । चलो, आज ही नदी में नाव की सैर करके आते हैं । शुभ कार्य में देरी क्यों ?

**अर्चना** : नदी तो यहाँ से दूर है । बस से जाना पड़ेगा ।

**विप्लव** : वहाँ आने-जाने में पूरा दिन लग जाएगा ।

**अच्युत** : इतने पैसे भी अपने पास नहीं हैं । खाना भी नहीं खाया है । भूखे भजन न होंहि गोपाला ।

**प्राची** : घरवालों से बिना पूछे इतनी दूर जाना उचित नहीं है ।

**इब्राहिम** : साथ में कोई बड़ा भी तो होना चाहिए ।

**जॉन** : मार्था आंटी घर पर ही हैं । उनको साथ ले सकते हैं । वही हमारी नायक होंगी ।

**लावण्या** : तुम्हारी बात ठीक है । तुम अपनी आंटी को कल के लिए तैयार करो । आवश्यक खर्च के लिए पैसे एवं खाने-पीने के सामान लेकर कल प्रातः आठ बजे एस.टी. स्टैंड पर सभी मिलेंगे ।

**(सभी अपने-अपने घर जाते हैं । सूचनानुसार तैयारी के साथ दूसरे दिन बस स्थानक पर सभी एकत्रित होते हैं । बस आते ही सभी बच्चे दौड़ पड़ते हैं ।)**

❑ संवाद का मुखर एवं मौन वाचन कराएँ । प्रश्नोत्तर एवं चर्चा के माध्यम से संवाद के प्रमुख मुद्दे स्पष्ट करें । संवाद का नाट्यीकरण कक्षा में कराएँ । किसी सैर पर जाने के पूर्व क्या-क्या तैयारी करनी चाहिए, सूची बनवाएँ । राष्ट्रीय संपत्ति की सूची बनवाएँ ।

## सुनो तो जरा

किसी हस्तकला प्रदर्शनी का निरीक्षण करो तथा अपने अनुभव कक्षा में सुनाओ :

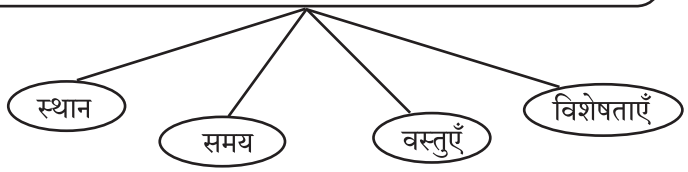


**मार्था आंटी** : रुको, सुनो सभी बच्चो !

**लावण्या** : क्या हुआ आंटी जी ? यही बस नदी तक जाएगी ।

**जॉन** : हम अंदर जाकर फटाफट सीट पकड़ते हैं ।

**प्राची** : जगह पकड़ने के लिए खिड़की से सीट पर अपना सामान रख देते हैं ।

**मार्था आंटी** : शांत हो जाओ सब ! विद्यालय में तुम लोगों को क्या यही सिखाया-पढ़ाया गया है ? पंक्तिबद्ध होकर बस में चढ़ो । उससे पहले वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं को चढ़ने दो ।

**(सभी झेंप जाते हैं । महिलाओं और वृद्धों के चढ़ने के बाद बस में चढ़ते हैं । सभी बैठ जाते हैं । अच्युत को देखकर सभी खुसर-फुसर करते हैं फिर हँसने लगते हैं ।)**

**अच्युत** : तुम सब मुझे देखकर हँस क्यों रहे हो ?

**विप्लव** : तुम जिस सीट पर बैठे हो वह 'महिलाओं के लिए आरक्षित' है ।

**जॉन** : अर्चना तो 'दिव्यांग के लिए आरक्षित' सीट पर बैठी है ।

**मार्था आंटी** : इसीलिए कहा गया है- 'जल्दी का काम शैतान का काम होता है' । सभी लोगों को पहले ही ध्यान देकर बैठना चाहिए । **(सभी उचित जगह पर बैठते हैं । कंडक्टर बस में प्रवेश करता है । जॉन जोश में आकर बस की घंटी बजाने की कोशिश करता है । जोर से खींचने के कारण रस्सी टूट जाती है ।)**

**कंडक्टर चाचा**: तुम्हें मालूम नहीं कि बस सार्वजनिक संपत्ति है ? हर सार्वजनिक संपत्ति राज्य/राष्ट्र की संपत्ति है । इसे हानि पहुँचाना राष्ट्र को हानि पहुँचाना है ।

**तबस्सुम** : हाँ ! मैंने रेलवे में भी इसी तरह लिखा हुआ पढ़ा है ।

**मार्था आंटी** : केवल पढ़ने से कुछ नहीं होता । उनका पालन करना भी आवश्यक होता है । जॉन तुमने राष्ट्र की संपत्ति को नुकसान पहुँचाया है । चलो, कंडक्टर चाचा से क्षमा माँगो ।

**(जॉन कंडक्टर चाचा से क्षमा माँगता है ।)**

**लावण्या** : अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत ।

**मार्था आंटी** : कंडक्टर साहब ! जो नुकसान हुआ है, कृपया उसका पैसा मुझसे ले लीजिए ।

**कंडक्टर चाचा**: बच्चो ! इन्हीं छोटी-छोटी बातों से हम जीवन के आदर्श और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी सीखते हैं । चलो अब सब अपना-अपना टिकट लो ।

**(सभी टिकट लेते हैं । बड़े ही अनुशासित ढंग से नदी किनारे घूमते हैं । स्वच्छता का ध्यान रखते हैं । नाव में बैठकर नदी की सैर करते हैं । अँधेरा होने के पहले अपने-अपने घर वापस आ जाते हैं ।)**

❑ संवाद में किन-किन बच्चों ने क्या ऐसा किया जो नहीं करना चाहिए था, एकल, गुट में बताने के लिए कहें । कंडक्टर चाचा ने मार्था आंटी से पैसे लिए होंगे या नहीं, चर्चा कराएँ । 'सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा' पर बारह से पंद्रह वाक्य लिखने के लिए प्रेरित करें ।

## मैंने समझा

---

---

---

## शब्द वाटिका

## विचार मंथन

।। स्वातं सुखाय तुलसी रघुनाथ गाथा ।।

**नया शब्द**

**दिव्यांग** = विकलांग

**मुहावरे**

**खुसर-फुसर करना** = आपस में फुसफुसाकर बोलना

**जल्दी का काम शैतान का** = बिना सोचे-विचारे काम करना

**कहावतें**

**भूखे भजन न होंहि गोपाला** = खाली पेट काम नहीं होता है

**अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत** = समय चूक जाने पर पश्चात्ताप निरर्थक होता है

## जरा सोचो ..... बताओ

एक दिन के लिए यातायात के सभी साधन बंद रहें तो ...

## अध्ययन कौशल

शालेय पर्यटन के लिए किसी पर्यटन स्थल की जानकारी अंतरजाल से प्राप्त करो ।

https//www.maharashtra.gov.in

## बताओ तो सही

घर के बड़े हमें सलाह देते हैं, उनसे तुम कितने सहमत हो; बताओ ।

## वाचन जगत से

रेल स्थानक और बस स्थानक पर लगे निर्देश, सूचना फलक पढ़ो और उनका पालन करो ।

## मेरी कलम से

संवाद लिखो ।

- पॉलिथिन और कपड़े की थैली
- नारियल और आम का वृक्ष

## खोजबीन

अपने तहसील/जिले की 'बाँध परियोजना' संबंधी जानकारी प्राप्त करो और टिप्पणी लिखो ।

**❊ पाठ के आधार पर कारण लिखो :**

(क) बच्चे सैर पर जाना चाहते थे ।
(ख) घरवालों की इजाजत लेनी पड़ी ।
(ग) बच्चों ने मार्था आंटी को साथ में लेना चाहा ।
(घ) मार्था आंटी ने बच्चों को डाँटा ।
(च) जॉन ने कंडक्टर चाचा से क्षमा माँगी ।
(छ) अच्युत को देखकर बच्चे हँस रहे थे ।

## सदैव ध्यान में रखो

स्वच्छता में स्वास्थ्य निहित है ।

## भाषा की ओर

तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, संकर शब्द पढ़ो और शब्दों के स्रोत समझो :
अ.= अरबी, अं. = अंग्रेजी, पु. = पुर्तगाली, फ्रां. = फ्रांसीसी, ची. = चीनी, जा. = जापानी

| संस्कृत | हिंदी |
|---|---|
| पुस्तक | पुस्तक |
| कन्या | कन्या |
| अहंकार | अहंकार |
| राजा | राजा |
| नित्य | नित्य |

❊ संस्कृत से सीधा चला आता हूँ ।
हिंदी में ज्यों का त्यों लिखा जाता हूँ ।
मैं हूँ '**तत्सम**' शब्द .....

| संस्कृत | हिंदी |
|---|---|
| हस्त | हाथ |
| कपाट | किवाड़ |
| क्षेत्र | खेत |
| पुत्र | पूत |
| दीप | दीया |

❊ संस्कृत से चला आता हूँ ।
हिंदी में परिवर्तित होकर लिखा जाता हूँ ।
मैं हूँ '**तद्भव**' शब्द .....

| ग्राम्य क्षेत्र बोलियाँ | हिंदी |
|---|---|
| झाड़ू | झाड़ू |
| दमड़ी | दमड़ी |
| ठेठ | ठेठ |
| चीकट | चीकट |
| निस | निस |

❊ ग्राम्यक्षेत्र से है मेरा नाता ।
देशी भाषाओं से चला आता ।
मैं हूँ '**देशज**' शब्द .....

| विदेशी भाषा | हिंदी |
|---|---|
| बाजार(फा.) | बाजार |
| राशन (अं.) | राशन |
| साबुन (पु.) | साबुन |
| काजू (फ्रां.) | काजू |
| चाय (ची.) | चाय |

❊ अरबी, अंग्रेजी, फारसी आदि से हाथ मिलाता हूँ ।
हिंदी में प्रचलित होकर चला आता हूँ ।
मैं हूँ '**विदेशी**' शब्द .....

| भिन्न भाषा | हिंदी |
|---|---|
| किताब(अ.)+घर (हिं.) | किताबघर |
| रेल (अं.)+यात्री(सं.) | रेलयात्री |
| माल (अ.)+गोदाम (अं.) | मालगोदाम |
| बीमा (अ.)+पॉलिसी (अं.) | बीमापॉलिसी |
| बस (अं.)+ चालक (हिं.) | बसचालक |

❊ दो भिन्न भाषाओं से मेल खाता हूँ । हिंदी में नए शब्द के रूप में चला आता हूँ ।
मैं हूँ '**संकर**' शब्द .....